©mayurpuri.com

तौबा मैं प्यार कर के

मुखड़ा:
तौबा मैं प्यार कर के
तौबा मैं प्यार कर के पछताया
मैं वी सोचा एक अकेला
मैं रहूँगा कितना रे
दिल कबूतर उड़ गया मेरा
देख के चेहरा चिकना रे
फिट्टे मुँह फिट्टे मुँह फिट्टे मुँह
दिल ने बुरा फंसवाया
तौबा मैं प्यार कर के
तौबा मैं प्यार कर के पछताया

अंतरा 1:
शेर सा तन के था जीत्ता
यार मेरे मैन्नु कैन्दे चीता
हुन तां श्रूपणखा लगदी है
जो कदे लगदी सी सीता
अपने घर में कैद हुआ तो
ये समझ में आया है
मैं जिसे बुलबुल समझा वो
है सैंयाद का साया
कि ज़िंदा कोई नहीं बच पाया

तौबा मैं प्यार कर के
तौबा मैं प्यार कर के पछताया

अंतरा 2:
दिल दा कमरा जद सी ख़ाली
रोज़ ग़ौंदा रेहा क़व्वाली
एक हाथ सें ही बजती थी
कितने ताल में मेरी ताली
अब गली सुनती है सारी
शोर ऐसा छाया है
उसने घर विच आ के मेरा
ऐसा band बजाया

©mayurpuri.com

©mayurpuri.com

कि मुझपे हँसता है मेरा साया

तौबा मैं प्यार कर के
तौबा मैं प्यार कर के पछताया

©mayurpuri.com